

امواج پر جروش عشق

سروده

دکتر رضا آریانژاد

(رها)

www.ketab.ir



انتشارات هاویر

۱۴۰۰

| | |
|----------------------|--|
| سرشناسه | آریانزاد، رضا، ۱۳۷۸ |
| عنوان و نام پدیدآور | امواج پرخروش عشق، رضا آریانزاد (تخلص: رها) |
| مشخصات نشر | انتشارات هاویر، ۱۴۰۰ |
| مشخصات ظاهری | ص ۱۱۴ |
| شابک | ISBN: 978 - 622 - 6225-74-8 |
| وضعیت فهرست‌نویسی | فیا: |
| موضوع | شعر فارسی - قرن ۱۴ |
| موضوع | Persian poetry -- 20th century: |
| رده‌بندی کنگره | PIR ۸۳۳۳: |
| رده‌بندی دیوبی | ۸ فا ۱ / ۶۲: |
| شماره کتاب‌شناسی ملی | ۷۵۸۱۸۶۹: |



www.ketab.ir

عنوان: امواج پرخروش عشق

سروده: دکتر رضا آریانزاد (رها)

انتشارات: هاویر، همراه: ۲۹۱۶۹۷۰۰۴۰۶

شمارگان: ۵۰۰ نسخه، چاپ اول ۱۴۰۰

حروف‌نگاری و صفحه‌آرایی: مریم ابراهیمی پور

طرح جلد: مریم بازگیر

هماهنگی تولید: سهمیه اسدزاده

چاپ و صحافی: روز

شابک: ۹۷۸-۶۲۲-۶۲۲۵-۷۴-۸

بها: ۲۵۰۰۰ تومان

فهرست

| صفحه | عنوان |
|------|------------------------------|
| ۹ | خالق بی همتا |
| ۱۰ | باران |
| ۱۴ | جادوی نگاه |
| ۱۶ | تنهای تنها |
| ۱۷ | باز امشب بی قرار است می خورم |
| ۲۰ | بهبانه |
| ۲۱ | خون سیاوش |
| ۲۴ | میوه آزادی |
| ۲۵ | آشفته |
| ۲۸ | ژاله |
| ۲۹ | بی قرار |
| ۳۰ | مسافر تنها |
| ۳۲ | بی تو |

| | | |
|----|-------|---------------------|
| ۳۴ | | وداع |
| ۳۶ | | کاش می شد... |
| ۴۰ | | حسین (ع) |
| ۴۱ | | قاصدک |
| ۴۳ | | سرگشته |
| ۴۴ | | غار تنهایی |
| ۴۶ | | سوگند |
| ۴۸ | | نقش خیال |
| ۴۹ | | قصه رویایی |
| ۵۰ | | مادر |
| ۵۲ | | شمیم عشق |
| ۵۳ | | برگرد |
| ۵۷ | | ساحل حسرت |
| ۵۸ | | شبهای بارانی |
| ۵۹ | | پرواز |
| ۶۱ | | صبح شقایقها (کوروش) |
| ۶۳ | | عباس (ع) |
| ۶۴ | | گذشت آن روزها |

| | |
|----|-------------|
| ۶۷ | نی هجران |
| ۶۸ | پدر |
| ۷۲ | آوای عشق |
| ۷۵ | کبوتر غریب |
| ۷۷ | زهر جدایی |
| ۷۸ | غم گسار |
| ۸۰ | مولای خوبان |
| ۸۲ | سرمست |
| ۸۳ | شبنم محبت |
| ۸۵ | غروب وفا |
| ۸۷ | شوق نگاه |
| ۸۸ | کنج خراب |
| ۹۲ | ویرانه جان |
| ۹۳ | وطن |
| ۹۴ | محمد (ص) |
| ۹۶ | شکایت |
| ۹۹ | زینب (س) |